Centre of Excellence
Govt. College Sanjauli

Department of English
Academic Session 2025-26

Event: One-Act Play

The *Department of English*, in collaboration with the *Theatre Club* of the college organised an event in the college auditorium on 25 July 2025 in which a one-act play was enacted by theatre artist Mr. Lucky Gupta. The title of the play was "*Maa, Mujhe Tagore Bana De*."

The students of the *Department of English* and the *Theatre Club* of the college were co-actors in the play. The plot depicted the story of a young boy who braved extraordinary odds to continue his education up till class 11 despite several hardships including financial and most of all, the non-cooperative behaviour of his father. However, his yearning to pursue further higher education hit a permanent roadblock after the untimely demise of his father in a road accident. To support himself and his homemaker mother, the protagonist had to work as a labourer and continued with the meagre paying job for many years. The playwright successfully depicted the harsh conditions under which children such as the protagonist grow up and how it leaves an indelible mark on their psyche. The play exhorted the young audience to respect their parents and be thankful to Lord God for all the boons bestowed upon them by providence divine. The playwright, through the character of the protagonist, emphasized upon the audience that being Tagore means showering the elixir of education on others and not just pursuing the fruit of education for oneself.

The play was greatly appreciated by the audience, and many were moved to tears seeing the plight of the young protagonist who did not deserve what befell him. The Head of the institution, Principal Prof Bharti Bhagra, praised the artists and the organizers and asked the audience to appreciate the unconditional love showered on them by their parents and the unwavering commitment with which the teachers work for their students.

Vishakha, a student of BA III delivered the formal vote-of-thanks.

दैनिक भास्कर शिमला भास्कर 26-07-2025

सिटी एंकर

नाटक में शिक्षा का नया दृष्टिकोण, सोच से निकलता है बदलाव का सूरज

मां मुझे टैगोर बना दे: गरीबी से जूझते बालक का बड़ा सपना संघर्ष, सपने और मां की ममता की रंगमंचीय गाथा का मंचन

एजुकेशन रिपोर्टर | शिमला

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस संजौली कॉलेज के इंग्लिश विभाग व थिएटर क्लब द्वारा शुक्रवार को एकल नाटक "मां मुझे टैगोर बना दे" का मंचन किया गया।नाटक के जरिए छात्रों को बताया गया कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है,बल्कि एक सोच है जो तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी इंसान को आगे बढ़ने की ताकत देती है। नाटक एक ऐसे बालक की कहानी है, जो रवींद्रनाथ टैगोर जैसा लेखक, कवि और विचारक बनना चाहता है। उसके भीतर रचनात्मकता की चिंगारी है, लेकिन गरीबी, सामाजिक ताने-बाने और पारिवारिक जिम्मेदारियों की बेड़ियां उसके सपनों के रास्ते में रुकावटें खड़ी करती हैं। नाटक में उसकी मां एक केंद्रीय किरदार है, जो खुद अशिक्षित होते हुए भी अपने बेटे की प्रतिभा को पहचानती है। वह उसे प्रेरित करती है, उसका आत्मविश्वास बढ़ाती है और तमाम संघर्षों के बीच उसे आगे बढ़ने का हौसला देती है। बेटे के हर संघर्ष, अस्वीकृति और विफलता के क्षण में मां का साया उसे टूटने नहीं देता। नाटक का शीर्षक "मां मुझे टैगोर बना दे" एक प्रतीक है उस प्रार्थना का, जो हर उस बच्चे की है जो सपनों को साकार करना चाहता है लेकिन सामाजिक और आर्थिक सीमाओं में जकड़ा हुआ है। अंत में, बेटा टैगोर जैसा बड़ा नाम तो नहीं पाता, लेकिन समाज को दिशा देने वाला एक बड़ा विचारक और संवेदनशील लेखक जरूर बनता है।

इस नाटक को देखने के लिए कॉलेज का ऑडिटोरियम छात्रों से भरा रहा। कॉलेज प्रिंसिपल प्रो. भारती भागड़ा ने नाटक की प्रशंसा करते हुए कहा कि रंगमंच न केवल मनोरंजन बल्कि शिक्षा और जागरूकता का भी सशक्त माध्यम है।

संजौली कॉलेज में नाटक का मंचन

शिमला। उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र संजौली महाविद्यालय के थियेटर क्लब और अंग्रेजी विभाग ने शुक्रवार को प्रेरणादायक एकल नाटक मां मुझे टैगोर दे का मंचन किया। नाटक शिक्षा और दृढ़ता की एक मार्मिक कहानी थी इसे कलाकार लक्की गुप्ता ने प्रस्तुत किया। कॉलेज सभागार में हुए इस नाटक को देखने का कॉलेज विद्यार्थियों ने आनंद लिया। कॉलेज प्राचार्य डॉ. भारती भागड़ा ने इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और नाटक देखने के बाद उन्होंने इसकी प्रशंसा की। संवाद

रोपण कार्यक्रम के दौरान संयुक्त चित्र में अधिकारी

संजौली महाविद्यालय में मां मुझे टैगोर बना दे नाटक का मंचन

शिमला, 25 जुलाई (ब्यूरो): उत्कृष्ट शिक्षा केंद्र राजकीय महाविद्यालय संजौली के थिएटर क्लब और अंग्रेजी विभाग ने शुक्रवार को एक प्रेरणादायक एकल नाटक मां मुझे टैगोर बना दे का सफल मंचन करवाया।

यह नाटक शिक्षा और दृढ़ता की एक मार्मिक कहानी थी, जिसे प्रख्यात कलाकार लकी गुप्ता ने प्रस्तुत किया। कालेज सभागार छात्रों से खचाखच भरा था, जिन्होंने नाटक का भरपूर आनंद लिया।

इस कार्यक्रम में प्राचार्या प्रोफैसर भारती भागड़ा मुख्यातिथि रहीं। उन्होंने नाटक की प्रशंसा की और शिक्षा एवं मनोरंजन के साधन के रूप में रंगमंच के महत्व पर बात की।

उनके अलावा अन्य शिक्षक और गैर शिक्षक वर्ग भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. दीपक कपरेट और थिएटर क्लब के संयोजक डा. हर्षवर्धन सिंह खिम्टा ने मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। नाटक ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और शिक्षा के महत्व तथा चुनौतियों का सामना करने की

जीवा

s 5G | Ritika.✨

Starlit Soiree
GPS Map Camera
Google
Shimla, Himachal Pradesh, India
454q+mgc Center Of Excellence College Pincode,
Sanjauli, Shimla, Himachal Pradesh 171006, India
Lat 31.106916° Long 77.188917°
25/07/2025 12:43 PM GMT +05:30

Starlit Soiree

Head
Department of English